

प्रेषक,

मनीषा प्रवार,  
सचिव एवं आयुक्त,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

वित्त अधिकारी,  
सचिवालय प्रशासन,  
देहरादून।

समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ।

देहरादून, दिनांक: 22 अक्टूबर, 2008

विषय: समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ के अधिष्ठान के अन्तर्गत पुनर्विनियोग द्वारा स्वीकृत धनराशि का आबंटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय सचिवालय स्तरीय समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ के अधिष्ठान हेतु निम्न तालिका में इंगित मानक मदों के अन्तर्गत आय-व्ययक में प्राविधानित रूपये 0.01 लाख मात्र तथा संलग्न बी.एम.-15 में उल्लिखित विवरणानुसार रूपये 0.92 लाख मात्र का पुनर्विनियोग करते हुये कुल रूपये 0.93 लाख (रूपये तिरानवे हजार मात्र) की धनराशि निम्न प्रकार चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

लेखा शीर्षक : अनुदान संख्या-30

आयोजनेत्तर

मतदेय

2225-01-001-07-00

मुख्य शीर्षक 2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण  
उप मुख्य शीर्षक 01-अनुसूचित जातियों का कल्याण  
लघु शीर्षक 001-निर्देशन तथा प्रशासन  
उप शीर्षक 07-एस.सी.पी./टी.एस.पी. नियोजन प्रकोष्ठ का अधिष्ठान  
व्यौरेवार शीर्षक 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	पूर्व में आबंटित धनराशि	पुनर्विनियोग सहित स्वीकृत वर्तमान में आबंटित की जा रही धनराशि	कुल आबंटित धनराशि (प्रगामी योग)
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	00	21	21
06-अन्य भत्ते	88	72	160
योग :	88	93	181

(रूपये तिरानवे हजार मात्र)

2. उक्त आबंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका बजट मैनुवल के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाये।

क्रमशः ..... 2 पर

3. उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुये नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जायेगा। व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा, जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।

4. उक्त के सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-2009 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-30 "आयोजनेत्तर" के अन्तर्गत उक्त प्रस्तर-1 में अंकित लेखाशीर्षक की सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा तथा पुनर्विनियोजन संलग्न बी0एम0-15 के कॉलम-1 की बचतों से वहन किया जायेगा।

5. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 277(NP)/XXVII(3)/2008, दिनांक: 01.10.2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

संलग्न-यथोपरि।

भवदीय,

(मनीषा पंवार)  
सचिव एवं आयुक्त।

संख्या-432 (1)/XVII(1)/08-42(प्रकोष्ठ)/2006/तददिनांक ।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड माजरा, देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून।
3. वित्त (व्यय नियंत्रक)अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
4. निदेशक, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. निदेशक, समाज कल्याण उत्तराखण्ड, हल्द्वानी (नैनीताल)।
6. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
7. केन्द्रीयकृत भुगतान एवं लेखा कार्यालय, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अरुण कुमार ढौंडियाल)  
अपर सचिव।